वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 46 | बुधवार 14 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## राजस्थान में बिपरजॉय : एंट्री लेते ही कमजोर पड़ जाएगा

### जोधपुर-अजमेर-उदयपुर में भारी बारिश संभव

जयपुर। बिपरजॉय दो दिन बाद प्रदेश में एंट्री करेगा लेकिन 16 जून को गुजरात से सटे दक्षिण-पश्चिमी जिलों में प्रवेश करते ही यह कमजोर पड़ जाएगा और डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा। इससे तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। इस तूफान की गति अभी 130-140 किमी/घंटा है, पर राजस्थान में प्रवेश के समय यह 45-55 किमी/घंटा रह जाएगी। इस वजह से 15 जून से ही प्रदेश में आंधी-बारिश की गतिविधियां तेज हो जाएंगी। लेकिन चक्रवात से कोई खतरा नहीं है। इससे पहले मंगलवार जून महीने का सबसे गर्म दिन रहा। धौलपुर में पारा 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, 17 शहर 40 डिग्री के पार रहे। जयपुर का पारा 40.8 डिग्री रहा।

# डोटासरा बोले- बीजेपी में मनभेद, वसुंधरा-पूनिया प्रदर्शन में क्यों नहीं

**कहा-परोपकारी महिला नाथी बाई का अपमान कर रहे बीजेपी नेता, कांग्रेस का हर कार्यकर्ता मुख्यमंत्री**

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बीजेपी के प्रदर्शन को फ्लॉप शो बताते हुए कहा कि 25 हजार बुलाए थे और 2500 भी नहीं आए। बीजेपी की सभा में कुर्सियां खाली पड़ी थीं। आज के प्रदर्शन में वसुंधरा राजे और सतीश पूनिया का मौजूद रहना यह साबित करता है कि इनके मतभेद ही नहीं मनभेद हैं। बीजेपी किसी भी विरोध प्रदर्शन में एक नहीं हो पाई। डोटासरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। नाथी का बाड़ा तक ईडी पहुंचने के राजेंद्र राठौड़ के बयान पर पलटवार करते हुए डोटासरा ने कहा- ईडी अपराधियों तक जाए, इसमें किसी को दिक्कत नहीं है। नाथी बाई एक समाजसेवा ब्राह्मण परोपकारी महिला थीं,वे सबकी मदद करती थी। किसी से मदद के बदले कुछ नहीं लेती थी। ऐसी भली महिला का बार-बार गलत अर्थों में नाम लेकर उसका अपमान किया जा रहा है। ऐसी महिला जिसको हम सम्मान से नाम लेते हैं, उसका अपमान किया जा रहा है। अब ये जुमलेबाजी कर रहे हैं बाकी इनके पास बोलने के लिए कुछ नहीं है। बीजेपी के 200 मुख्यमंत्री बताने के आरोप पर डोटासरा ने

कहा कि वे कम बता रहे हैं। हमारे यहां तो हर जिस कार्यकर्ता ने सरकार बनाने में भूमिका निभाई वह मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष की तरह ही है। बीजेपी की तरह दो या तीन लोग ही सत्ता पर काबिज नहीं होते, कांग्रेस में हर कार्यकर्ता को मौका मिलता है।

### बीजेपी के मंच पर एक भी ओबीसी नेता को बोलने नहीं दिया

डोटासरा ने कहा- बीजेपी किसी भी विरोध प्रदर्शन में एक नहीं हो पाई। आज के प्रदर्शन से वसुंधरा राजे और सतीश पूनिया के नहीं होने से साबित होता है इनके मतभेद नहीं मनभेद हैं। आज जितने भी वक्ता थे उनमें एक भी नेता ओबीसी का नहीं था। ओबीसी के हितैषी होने का राग अलापने वाली बीजेपी ने किसी ओबीसी नेता को बोलने का मौका तक नहीं दिया। राजेंद्र राठौड़ भाषण दे रहे थे जो 500 लोग भी नहीं थे। इनकी दुर्गति देखिए, कार्यकर्ताओं को भाषण सुनाने के लिए कसमें दिलाई जा रही थी। बीजेपी के नेताओं में इतने मनभेद हैं कि एक नहीं हो सकते।

### बीजेपी का ईडी का मुद्दा ही खत्म हो गया

डोटासरा ने कहा- कर्नाटक की हार से बौखला कर बीजेपी नेता गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। सरकार पर झूठे आरोप लगाने की कोशिश कर रहे हैं और एक तरह से धमकी भी दे रहे हैं कि हमारी सरकार आएगी तो देख लेंगे। ये डेढ़ साल से एक ही राग अलाप रहे हैं कि ईडी आएगी। अब तो ईडी आ गई। ईडी जांच कर रही है, किसी को कोई तकलीफ नहीं है अब इनका मुद्दा ही खत्म हो गया। जो दोषी होगा जिसने अपराध किया होगा, जिसने मनी लॉन्ड्रिंग की होगी उस पर कार्रवाई हो जाएगी।

# प्रदेश में बनेगा महाराणा प्रताप बोर्ड, सीएम ने मंजूरी दी

### प्रताप के नाम से इंटरनेशनल अवॉर्ड और सम्मेलन शुरू करेगी सरकार

**जयपुर. कासं**

गहलोत सरकार ने महाराणा प्रताप के नाम से बोर्ड बनाने का फैसला किया है। बोर्ड का नाम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाराणा प्रताप के नाम से बोर्ड बनाने के प्रस्ताव करे मंजूरी दे दी है। इस बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के अलावा सात मेंबर होंगे। बोर्ड में सचिव और स्टाफ अलग से होगा। सीएम की मंजूरी के बाद बोर्ड बनाने का काम शुरू होगा। बोर्ड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मेंबर के पद राजनीतिक नियुक्तियों से भरे जाएंगे। चुनावी साल को देखते हुए बोर्ड में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति जल्द होने के आसार हैं। सरकार ने इस बोर्ड के गठन का उद्देश्य नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के महान चरित्र के बारे में बताने, उन पर आधारित पुरातात्विक धरोहरों का संरक्षण बताया है। यह बोर्ड महाराणा प्रताप के बारे में अलग अलग भाषाओं में उपलब्ध प्राचीन साहित्य को इकट्ठा करेगा। बोर्ड प्रताप पर शोध, प्रकाशन और प्रचार-प्रसार करने के साथ सिलेबस भी बनाएगा।

### प्रताप के नाम पर इंटरनेशनल अवॉर्ड

बोर्ड महाराणा प्रताप के नाम से राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों की शुरूआत करेगा। प्रताप पर पर आधारित मेलों, प्रदर्शनी, समारोह, सम्मेलन, फिल्मों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और कवि सम्मेलनों का आयोजन भी करेगा। बोर्ड का उद्देश्य महाराणा प्रताप के विचारों का देश-विदेश में प्रचार-प्रसार करना भी होगा। गहलोत सरकार ने इस बार कई बोर्ड बनाए हैं। कई बोर्ड जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए

बनाए गए हैं। महाराणा प्रताप को मानने वालों की बड़ी संख्या है, उस वोट बैंक को मैसेज देने के हिसाब से इस बोर्ड के गठन करो अहम माना जा रहा है। सीएम ने उदयपुर दौरे के दौरान ही मई में इसकी घोषणा की थी और अब उदयपुर दौरा खत्म होते ही इसके गठन को मंजूरी दे दी।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की 10 दिवसीय हिमाचल यात्रा रवाना

## जयपुर रेलवे स्टेशन से 29 सदस्य हुए रवाना

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के 29 सदस्यो का दल हिमाचल प्रदेश के रमणीक स्थलों का भ्रमण करने अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका के नेतृत्व व संयोजक अनिल- ज्योति जैन चौधरी के सयोजन में जयपुर रेलवे स्टेशन से रवाना हुआ । ग्रुप सचिव अनिल - निशा संघी ने बताया कि ग्रुप परामर्शक दिनेश- संगीता गंगवाल, कार्यकारिणी सदस्य नितेश- मीनू पांड्या के साथ 29 सदस्य इस 10 दिवसीय यात्रा पर रवाना हुआ। रेलवे स्टेशन पर परिवार के सदस्यो के साथ सचिव अनिल सांघी,उपाध्यक्ष राकेश सांघी व सुधीर गोधा ने सभी यात्रियों का माला पहनाकर स्वागत किया तथा सभी की यात्रा सकुशल संपन्न हो इसकी शुभकामनाएं प्रदान की।

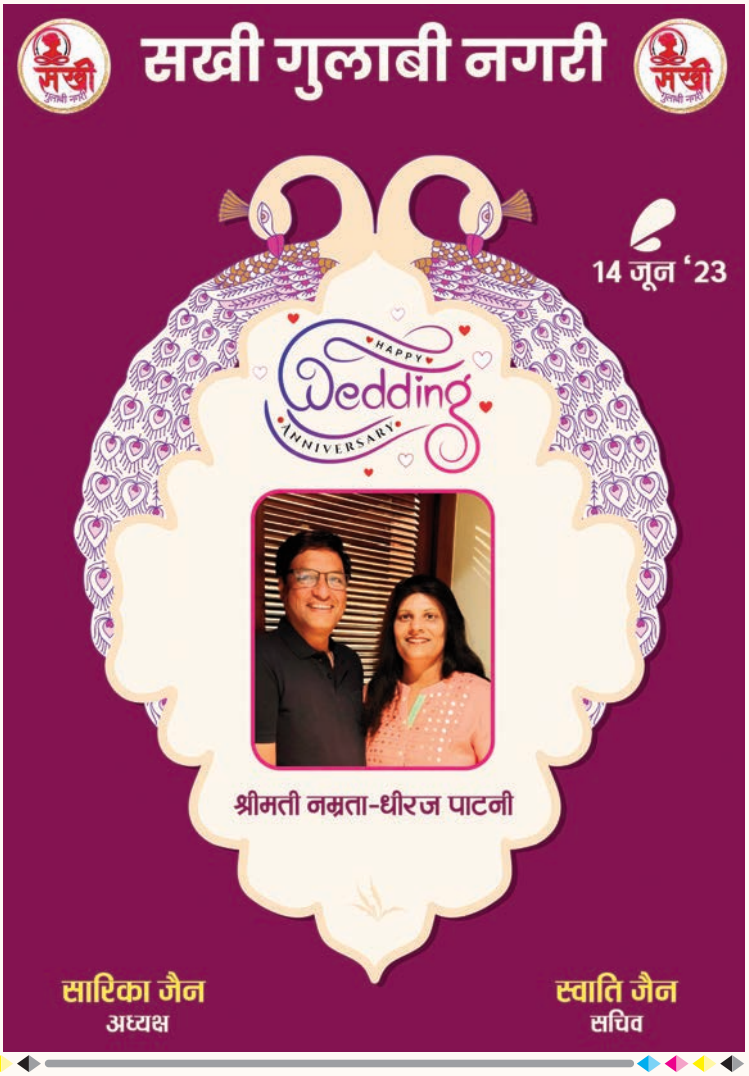

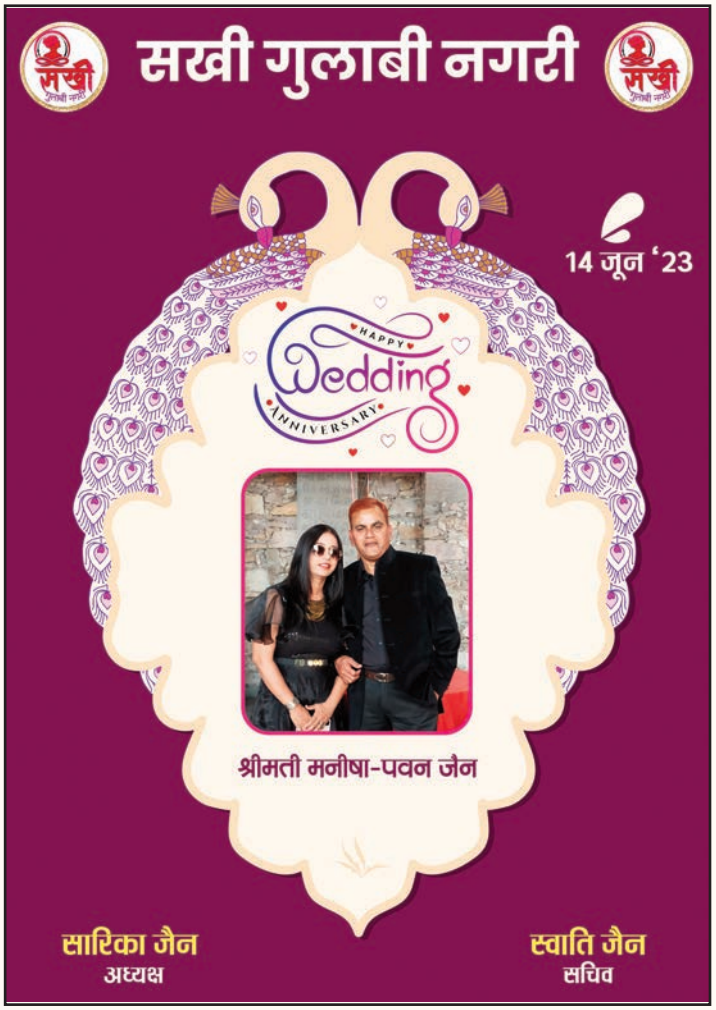


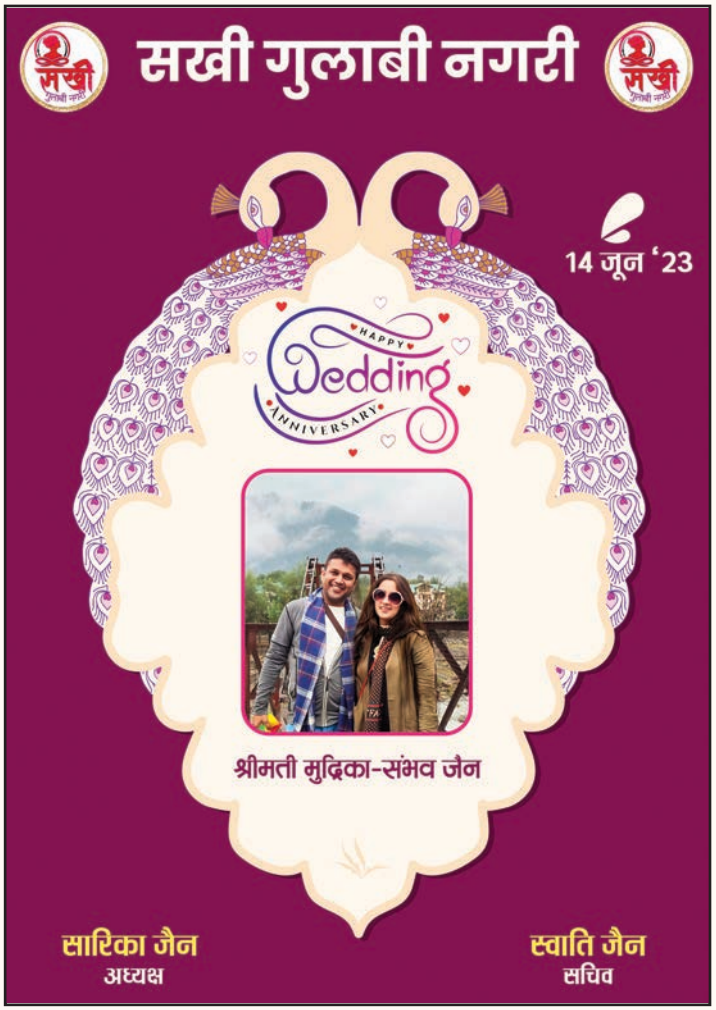


# केसरिया पार्श्वनाथ जैन मंदिर में लगातार 40 दिन हुआ शांति विधान

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

केसरिया पार्श्वनाथ जैन मंदिर केसर चोराया , मुहाना मंडी रोड मानसरोवर में लगातार 40 दिन तक शांति विधान किया गया। मंदिर कमेटी अध्यक्ष महावीर कासलीवाल ने बताया कि श्रीमती भूलो देवी धर्मपत्नी सुरेश चंद जैन दिल्ली वालो ने विधान का पुण्यर्जन प्राप्त किया है 13 जून को 40वां शांति विधान के उपलक्ष्य में सामूहिक विधान किया तथा श्रावको ने शांति विधान में बैठ कर धर्म लाभ प्राप्त किया। विधान के बाद अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी।

## वेद ज्ञान

# अहिंसा का अर्थ

अहिंसा का अर्थ हम प्रायः हिंसा के विलोमार्थी शब्द के रूप में लेते हैं, जिसका आशय जीव हत्या न करना और मांसाहार से दूर रहना आदि है। यह बात ठीक भी जान पड़ती है। मांसाहार जीवहत्या के बगैर संभव नहीं है। इसीलिए दोनों ही हिंसा की श्रेणी में आते हैं। मौजूदा संदर्भ में सवाल यह उठता है कि अहिंसा को क्या यूं एक सीमित दायरे में बांधा जा सकता है? जी नहीं, अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है और अहिंसा का संक्षेप में अर्थ है- समस्त हिंसक वृत्तियों का त्याग। कैसी हैं ये हिंसक वृत्तियां, इन्हें जानना होगा, समझना होगा। तभी हम उनसे मुक्ति पा सकते हैं। दूसरों को सताना, दुख पहुंचाना निश्चित रूप से हिंसा है। किन्तु क्या स्वयं को सताना हिंसा नहीं है? आदमी तीन तरह के होते हैं। पहला परपीड़क यानी ऐसे लोग जो दूसरों को सताकर सुकून का अनुभव करते हैं। दूसरा स्वपीड़क यानी आत्मपीड़क, ऐसे लोग दूसरों को न सताकर स्वयं को सताकर सुख का अनुभव किया करते है। धर्मान्धता के वशीभूत होकर अत्यधिक व्रत उपवास, कांटों की सेज पर लेटना आदि से लेकर आत्महत्या तक कर डालने से ऐसे लोग नहीं चूकते। मेरी राय में अहिसंक वे हैं, जो इन दोनों के पार हैं। जो इन दोनों वृत्तियों का अतिक्रमण कर चुका है। यानी जो दूसरों को सताता नहीं और न ही स्वयं को सताता है, जो स्वस्थ व प्रसन्न भाव से संतोषपूर्वक जीता है। इसके अतिरिक्त सबल वर्ग द्वारा निर्बल का किया गया किसी भी प्रकार का शोषण एक खतरनाक हिंसा है। कारण यह कि इसमें शोषित व्यक्ति तिलतिल कर मरता है। यानी कड़वे वचनों द्वारा हिंसा एक खतरनाक हिंसा है। कारण यह कि कड़वे वचन हमें यूं चोट पहुंचाते हैं कि जीवन भर नहीं भूलते। द्वापर युग में द्रौपदी का दुर्योधन को अंधे का पुत्र अंधा कहना ही महाभारत की आधारशिला रख गया था। महावीर तो कहते थे कि मन में किया गया किसी के प्रति बुरा विचार भी हिंसा है। यानी नकारात्मक विचार उठा कि हिंसा हुई। कारण यह कि मन में उठे विचार ही भविष्य में उठने वाले कृत्य की आधार शिला रखते हैं। हम पहले विचार करते हैं। शीघ्र ही भविष्य में वही विचार नये कर्म की पृष्ठभूमि बनते हैं। स्पष्ट है कि हम एक स्वस्थ जीवन तभी जी सकते हैं, जब हमारा मन इतना शुद्ध हो जाए कि किसी के प्रति हमारे मन में जरा भी बुरा विचार न उठे।

## संपादकीय

# एक बेहद गंभीर समस्या है जलवायु परिवर्तन

प्रकृति की अपनी अपनी गति होती है और अगर यह अपनी सामान्य अवस्था में है तो धरती पर जीवन स्थितियां मजबूत होती हैं। लेकिन अगर किन्हीं वजहों से इसका चक्र बाधित होता है तो यही प्रकृति बड़े नुकसान का भी वाहक बनती है। पिछले कुछ सालों से जलवायु परिवर्तन के मसले पर समूची दुनिया में चिंता जाहिर की जा रही है लेकिन अब जिस तेज गति से मौसम के रुख में बदलाव और अप्रत्याशित उथल-पुथल देखा जा रहा है, वह निश्चित रूप से एक बड़ी चिंता की वजह होनी चाहिए। पर्यावरण के मसले पर हाल ही में आई एक रपट में जो आकलन सामने आया है, उससे यह समझा जा सकता है कि वह ठंड हो या गर्मी या फिर बरसात, इनका जो असर सामने आ रहा है, उसने सबको चौंकाया है। कभी कड़ाके की ठंड तो कभी तेज गर्मी या फिर बेमौसम बरसात ने समूचे जनजीवन को बाधित किया है। इसके अलावा, बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली आदि में असंतुलन की

वजह से इस साल के शुरूआती चार महीनों में ही कम से कम दो सौ तैंतीस लोगों की जान चली गई और लगभग साढ़े नौ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसल बर्बाद हो गई। इस तरह खेती-किसानी को भी व्यापक नुकसान हुआ। प्रकृति पर किसी का बस नहीं है और उसकी अनिश्चितता के बारे में पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए अचानक ही होने वाली बरसात, बर्फबारी या फिर तापमान में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव आदि की वजह से होने वाले नुकसान पर भी किसी का जोर नहीं चलता। चिंता की बात है कि वक्त के साथ मौसम की मार का असर पहले के मुकाबले अब ज्यादा गंभीर होता जा रहा है। गर्मी, जाड़ा या बरसात आदि में असंतुलन की वजह से पिछले साल जहां देश के सत्ताईस राज्य बुरी तरह प्रभावित हुए थे, वहीं इस साल विपरीत मौसम की वजह से होने वाले हादसों या जानलेवा घटनाओं की चपेट में बत्तीस राज्य आए। विडंबना यह है कि विज्ञान और अन्य आधुनिक आविष्कारों और खोजों के जरिए मनुष्य ने प्रकृति और मौसम को करीब से समझना शुरू तो कर दिया है, लेकिन यह भी सच है कि प्रकृति के स्वाभाविक स्वरूप में मनुष्य ने आधुनिकतम तकनीकों सहित अलग-अलग तरीकों से बड़े पैमाने पर दखल भी दिया है। यह बेवजह नहीं है कि ठंड, गर्मी या फिर बरसात के अलावा तूफान और बर्फबारी की घटनाएं भी असामान्य रूप में सामने आ रही हैं। हालांकि जलवायु परिवर्तन को लेकर पिछले कई दशकों से विश्व भर में चिंता जताई जा रही है और इसमें पृथ्वी के अनुकूल हालात बनाने के लिए पूर्व-सावधानी के तौर पर कई उपाय भी बताए जाते रहे हैं। लेकिन ऐसे उपायों का हासिल क्या होना है, जिसमें जलवायु के बिगड़ने में जिन देशों की भूमिका ज्यादा है, वही अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लें और पर्यावरण या जलवायु को स्वस्थ बनाने और बचाने का दायित्व गरीब और विकासशील देशों पर थोप दें! वैश्विक स्तर पर विकसित और धनी देशों में मानव जनित परिस्थितियों की वजह से जलवायु पर पड़ने वाले प्रभावों का नुकसान उन देशों को उठाना पड़ता है, जहां अभी संसाधनों के अभाव की वजह से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा पाते। आज विज्ञान का विकास अपने चरम पर है। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# शांति की राह...

मणिपुर में हालात की जटिलता के मद्देनजर सरकार ने सुरक्षा के मोर्चे पर सख्ती से लेकर शांति समिति गठित करने की जो कवायदें जारी रखी हैं, उससे इस बात की उम्मीद बंधती है कि जल्दी ही वहां हल का कोई रास्ता निकलेगा। लेकिन अब भी रह-रह कर हिंसा की आग जिस तरह भड़क रही है, उससे यही लगता है कि वहां कुछ ऐसे समूह हैं, जिनकी मंशा समस्या का समाधान निकालने के बजाय अराजकता का माहौल बनाए रखना है। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि हिंसा के जरिए किसी भी समूह को हासिल क्या होगा, लेकिन इतना तय है कि सरकार के सामने फिलहाल मुख्य चुनौती ऐसे तत्त्वों की पहचान करने और उन्हें रोकने की है, जो शांति की राह में सुनियोजित तरीके से अड़चनें पैदा कर रहे हैं। मणिपुर में पहले ही कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा थम नहीं रही है और इससे निपटने में सरकार को कई तरह की मुश्किलें पेश आ रही हैं लेकिन शुक्रवार को एक बार फिर राजधानी इंफल में वेस्ट जिले के एक गांव में जो घटना हुई है, उससे हालात और बिगड़ने की आशंका पैदा हुई है। गौरतलब है कि वहां सुरक्षाकर्मियों के वेश में आए कुछ उग्रवादियों ने तलाशी अभियान के बहाने तीन लोगों को उनके घर से बाहर बुलाया और गोली मार कर उनकी हत्या कर दी। जिस समय राज्य में प्राथमिक जरूरत शांति स्थापित करना है और उसके लिए शुरू की गई प्रक्रिया में सभी संबंधित पक्षों को सक्रिय होकर भागीदारी करनी चाहिए, वैसे में इस तरह की हिंसा और हत्या की एक घटना सुधरती स्थिति को फिर से बिगाड़ सकती है। सवाल है कि अगर अधिकारियों का शक सही है कि हिंसा की इस घटना में मैतेई समुदाय के लोग शामिल हैं, तो यह समझने की जरूरत है कि मौजूदा विवाद में वे एक मुख्य पक्ष हैं और अगर किसी की ओर से भी शांति की कोशिशें बाधित होंगी तो हालात कैसे होंगे। खासतौर पर ऐसी स्थिति में, जबकि इससे पहले भी हत्या और हिंसा की लगातार घटनाओं ने जातीय टकराव को और तीखा ही किया है। यों मणिपुर में जिस स्तर पर हिंसा फैली, वह किसी साजिश का भी परिणाम हो सकती है। मणिपुर में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग के खिलाफ पिछले महीने की शुरूआत में पर्वतीय जिलों में ह्यआदिवासी एकजुटता जुलूसह्ण के आयोजन के बाद हिंसा फैल गई थी, जिसमें अब तक करीब सौ लोगों की जान जा चुकी है और कई सौ घायल हो चुके हैं। इसके अलावा, हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। विडंबना यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री के प्रभावित इलाकों के दौरे से लौटने के बाद भी आगजनी और हिंसा की कई घटनाएं हुईं। सवाल है कि अगर हिंसा और अराजकता की यह स्थिति बनी रही तो इससे किसका हित पूरा होगा? आखिर किसी मांग को लेकर आंदोलन करने वाले या फिर हिंसा से प्रभावित सभी पक्ष मसले का हल ही चाहते होंगे तो क्या यह सभी के हित में नहीं होगा कि अगर सरकार ने शांति समिति बनाई है, तो उसके प्रयासों में शामिल होकर पहले स्थिति को सामान्य बनाने को प्राथमिकता दी जाए। संभव है कि अचानक पैदा हुई परिस्थितियों में कुछ समुदायों के बीच क्षोभ पैदा हुआ, लेकिन इसका हल अराजकता से नहीं निकल सकता। सरकार को शांति समिति के जरिए हालात को सामान्य बनाने के साथ-साथ पर्दे के पीछे से हिंसा फैलाने वाली ताकतों को भी कानून के कठघरे में लाना चाहिए।

# आचार्य शिरोमणी श्री वर्धमान सागर महाराज का बीसा हूमड़ भवन में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

जिस प्रकार सारी नदियां अनेक स्थानों से आकर समुद्र में मिल जाती है ,उसी प्रकार आज उदयपुर के अलग-अलग सेक्टर उप नगरों, क्षेत्रों की समाज एक साथ हूमड़ भवन में एकत्र हुई है। समाज की एकता बताती है कि उदयपुर के प्रथक उपनगर अलग अलग नहीं होकर एक ही जैन समाज है। इसका यही संदेश है कि आपके बीच मतभेद नहीं है। यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने हूमड भवन मंगल प्रवेश के अवसर पर आयोजित सामूहिक धर्मसभा में व्यक्त की। गजू भैय्या राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने आगे उपदेश में बताया कि हूमड़ भवन इसके पूर्व 21 वर्ष पूर्व हम आए थे और पुराना इतिहास देखा जाए तो द्वितीय पट्टाधीश आचार्य शिव सागर जी महाराज ने भी, आचार्य धर्म सागर जी महाराज ने , आचार्य अजित सागर जी महाराज ने भी इसी हूमड़ भवन में वर्षा योग चातुर्मास स्थापित किया था। इस कारण हूमड भवन से हमारा भी आत्मीय लगाव है। आचार्य श्री ने ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विचार व्यक्त करके बताया कि चित्तौड़गढ़ के राजा महाराणा प्रताप को युद्ध में धन की आवश्यकता होने पर राजस्थान के जैन समाज के भामाशाह ने अपनी तिजोरी खोल कर युद्ध के लिए आवश्यक धनराशि तन मन और धन से दी। उदयपुर में महिला जागृति मंडल है ,आप सभी के जीवन में धर्म की जागृति हो ,तभी आपका मनुष्य जीवन सार्थक होगा। समाज की एकता बनी रहे यही मंगल भावना करते हैं। इसके पूर्व आचार्य श्री संघ का मंगल विहार संतोष नगर गारियावास, सूरजपोल, बापू बाजार, दिल्ली गेट, संतोषी माता मंदिर, भोपाल वाडी, चित्तौड़ा मंदिर ,मंडी की नाल, धान मंडी, मार्शल चौराहा ,तेलीवाड़ा होकर हूमड़ भवन पहुंचा। शोभायात्रा में उदयपुर की सकल दिगंबर जैन समाज की दशा नागदा समाज , बीसा नागदा समाज ,दशा हूमड़ समाज, चित्तौड़ा समाज, खंडेलवाल समाज, अग्रवाल समाज , बीसा नरसिंहपुरा समाज, दशा नरसिंहपुरा समाज सहित सभी समाज अगवानी के लिए उपस्थित थे। शोभायात्रा में अश्वो पर युवा जैन ध्वज लेकर सवार थे। बैंड की मधुर स्वर लहरियों पर युवक-युवतियों भक्ति में नृत्य कर रहे थे। जुलूस का समापन विशाल भवन में हुआ जहां पर आचार्य श्री संघ के मंचासीन होने के बाद जैन जागृति महिला मंडल ने नृत्य मंगलाचरण प्रस्तुत किया। आचार्य श्री शांतिसागर महाराज एवं पूर्व आचार्यों के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन शांतिलाल वेलावत, पारस सिंघवी उप महापौर ब्रह्मचारी गजू भैय्या ,सेठ शांतिलाल गदावत सेठ देवेंद्र छपिया , रमेश वगेरिया सुरेश पद्मावत , अशोक गोधा , दिनेश सोनी ,बृजमोहन गर्ग जनक राज सोनी , सुंदरलाल डागरिया , ऋषभ जसिगोत, पारस सिंघवी, सुरेश पाटनी ,दिनेश कुमार नागदा ने किया। आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन का सौभाग्य सुरेश पद्मावत परिवार को एवम् जिनवाणी भेट करने का सौभाग्य जय निलेश शरद चंद्र प्रकाश कारवा परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश सिंघवी ने किया एवम सभी समाज का सामूहिक वात्सल्य भोजन हुआ।

**संकलनः अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी**

## श्रीमती साक्षी कासलीवाल

## को जन्मदिन ( 14 जून) की

## हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

**शुभेच्छु**

महावीर - मोना कासलीवाल
( सास - ससुर )
गौरव कासलीवाल (पति )
मयूर, सोनल, मोनो, पूजा,
भारत, तिलक एवम समस्त
कासलीवाल परिवार

# भक्तामर अखंड पाठ एवं विधान भक्ति-श्रद्धा के साथ संपन्न

## सच्चे मन से भगवान की भक्ति करें : ब्र. जय निशांत

**ललितपुर. शाबाश इंडिया**

श्री प्रागैतिहासिक तीर्थ क्षेत्र नवागढ़ जी में श्री भक्तामर जी का 24 घंटे का अखंड पाठ एवं भक्तामर विधान का आयोजन ब्रह्मचारी जय कुमार जी निशांत भैयाजी के सान्निध्य व निर्देशन में विधि- विधान के साथ भक्ति-श्रद्धा पूर्वक सम्पन्न किया गया। आयोजन के पुण्यार्जन का सौभाग्य सेठ राजकुमार जैन, सोमचंद्र जैन शास्त्री, अंजलि जैन, समर्थ कुमार जैन समस्त मैनवार परिवार को प्राप्त हुआ। प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि मूलनायक अरनाथ भगवान की वेदी के समक्ष प्रातः बेला में भक्ति संगीत के साथ मंगलाष्टक, सकलीकरण, अभिषेक, शांतिधारा, पूजन की गई। इसके बाद भक्तामर महामण्डल विधान में 48 अर्घ्य समर्पित किए गए। जाप्य व हवन किया गया। आयोजन में आसपास की समस्त जैन समाज ने बढ़-चढ़कर के हिस्सा लिया। इस अवसर पर नवागढ़ तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं नवागढ़ गुरुकुलम के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अमूल्य सहयोग प्रदान किया। इस मौके पर वीरचन्द्र जैन नेकौरा महामंत्री, शील चन्द्र जैन, लालचन्द नैकोरा , कैलाश चंद जैन, मनोज कुमार सोजना, अशोक मैनवार, कुलदीप जैन, अमित कुमार जैन, आनंद कुमार , अंकित कुमार महरौनी , संजीव कुमार जैन, राजा भैया विनैका, टिंकू , विजय कुमार बड़ागांव , अमृत लाल अदावन , संजय कुमार रामटौरिया, विनोद कुमार, प्रमोद कुमार, दीपक कुमार तिगोडा , आनंदी लाल , हेमचंद्र लुहर्रा, सिघई तेजी राम , अशोक कुमार जैन, शील चंद, भागचंद , वीरेंद्र कुमार, चंद्रभान , सेठ मुन्ना लाल , सुरेंद्र कुमार, राहुल कुमार,पवन कुमार, प्रदीप कुमार , मोनू कुमार, खूब चंद्र समस्त जैन समाज मैनवार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विधान पुण्यार्जक परिवार सेठ राजकुमार जैन, मुन्ना लाल, सुरेंद्र कुमार, सोम चंद्र, रूपेश कुमार, समर्थ कुमार, निशांक, श्रीमती केसरबाई, श्रीमती अंजलि जी,श्रीमती राशि जैन, कुमारी आर्या, आराध्या का विशेष सहयोग रहा। पुण्यार्जक परिवार का क्षेत्र कमेटी की ओर से सम्मान किया गया। निर्देशक ब्र. जय कुमार जी निशांत भैया ने कहा कि यह ऐसा चमत्कारी स्तोत है कि जिसको पढ़ने से व्यक्ति के भयंकर संकट दूर हो जाते हैं। इसलिए हम सभी सच्चे मन से भगवान की भक्ति करें, भक्तामर स्तोत के माध्यम से भगवान आदिनाथ की आराधना कर अपने जीवन को सुख-शांतिमय बनावें जैन भक्ति साहित्यों में भक्तामर स्त्रोत अपने आप में बहुत बड़ा स्थान रखता है। भक्तामर स्तोत्र का जैन धर्म में बड़ा महत्व है। सच्चे मन से की गई प्रभु की आराधना कभी व्यर्थ नहीं जाती।

ॐ धन्वंतराये नमः

अहिंसा परमो धर्म

डॉ. श्वेता जैन

आरोग्यम आयुर्वेद

एंव जनकपुरी इमली फाटक जैन मंदिर के सौजन्य से

आयुर्वेद विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श चिकित्सा शिविर

स्त्री रोग – श्वेतप्रदर, माहवारी अनियमितता, PCOD, Infirtility
त्वचा रोग – मुहांसे, दाद, सौरायसिस, चकते
वात व्याधि – जोड़ो का दर्द, स्लिप डिस्क, सायटिका, घुटनों का दर्द, सरवाईकल पैन, माइग्रेन
ENT – कान से मवाद, सीटी बजना, बहरापन, टॉन्सिल, साइनोसाइटिस, थॉयराइड
सर्जरी – अर्श, फिस्टुला, भगंदर
जनरल – पेट के रोग, कास, अस्थमा, एलर्जी

निःशुल्क आयुर्वेद औषधि वितरण योग परामर्श अग्निकर्म कपिंग जौक थैरेपी

निःशुल्क BP जाँच, शुगर जाँच आहार चर्चा ऋतुचार्य परामर्श

समय : रविवार, 18 जून 2023 (रजिस्ट्रेशन 8 से 10 बजे तक व परामर्श 10 से 1 बजे तक)

स्थान : जनकपुरी जैन मंदिर, इमली फाटक, जयपुर

विशिष्ट अतिथी : श्रीमान देवेन्द्र कुमार, डॉ. चित्रलता जैन

दीपप्रज्वलन कर्ता : श्रीमान मंयक जैन, सुलोचना जैन, उद्घाटन कर्ता : श्रीमान रामचन्द्र जैन निशी जैन,

संयोजक : डॉ. श्वेता जैन, अतुल जैन, सहसंयोजक : मंजु पाटनी, नितिन जैन

आयुर्वेद विशेषज्ञ टीम –

| | | | |
|---|---|---|---|
| डॉ. श्वेता जैन<br>अग्निकर्म विशेषज्ञ<br>BAMS, CCSS (NIA), NDDY | डॉ. ऋचा तिवारी<br>प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ<br>M.S. (Ayu.) | डॉ. मीना मीनू बी<br>शल्यतंत्र विशेषज्ञ (पाइल्स, फिशर, फिस्टुला)<br>B.A.M.S., M.S. (Ayu.), Ph.D | डॉ. क्षिप्रा नत्यानी<br>पंचकर्म विशेषज्ञ<br>BAMS, PGD (BHU) |
| डॉ. कल्पना वर्मा<br>योग विशेषज्ञ<br>(BAMS, M.Sc योग, Dnys ) | डॉ. अभिषेक सिंह<br>कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ<br>M.S. (Ayu.) ENT | डॉ. मुकेश साहु<br>अग्निकर्म, जलौकावचरण एवं विद्धकर्म विशेषज्ञ<br>(BAMS) | डॉ. मालाश्री एस. जी.<br>नेत्र रोग विशेषज्ञ<br>M.S. (Ayu.) |

रजिस्ट्रेशन सीमित – सम्पर्क सुत्र – डॉ. श्वेता जैन – 7976112730 (Only Whatsapp Message )

सौजन्य से – महर्षि च्यवन हर्बल हैल्थ केयर

## जैन धर्म के 21 वें तीर्थंकर नमिनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक मनाया

**फागी. शाबाश इंडिया।** फागी कस्बे के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर ,पारसनाथ जैन मंदिर , चंद्रप्रभु नसिया, चंद्रपुरी तथा त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लदाना, के जिनालयों में आज जैन धर्म के 21 वें तीर्थंकर नमिनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव के साथ जोर शोर से मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने मीडिया को अवगत कराया कि कार्यक्रम में इससे पूर्व अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा हुई, तथा पूजा के दौरान भगवान नमिनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से भक्ति भाव के साथ अर्घ्य चढ़ाया गया। कार्यक्रम में फागी जैन समाज के केलास कलवाडा, सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सुरेश सांघी, हरकचंद पीपलू,टीकम गिंदोडी,सोभाग सिंघल, सुरेश मांदी,रतननला,पारसनला, सुरेश डेठानी, शिखर मोदी, महेंद्र बावड़ी, कमलेश सिंघल, कमलेश चोधरी त्रिलोक पीपलू, तथा राजाबाबु गोधा सहित अनेक श्रावक जन उपस्थित थे।

# परमार्थी बन करो सेवा, जीवन वही श्रेष्ठ जो प्रभु के काम आए : स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज

### भगवान का नाम सुमिरन करने से मिटती आत्मा की भूख, रोज करो भजन

**सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया**

भीलवाड़ा। कलिकाल में इस जीवन का कोई भरोसा नहीं है। जब जागे तभी सवेरा है इसलिए अब तक नहीं जुड़े तो तुरन्त प्रभु भक्ति के मार्ग से जुड़ जाए। जीवन वहीं श्रेष्ठ है जो प्रभु के काम आए। शरीर का भोजन अन्न तो आत्मा का भोजन भजन है। आत्मा को पुष्ट करने के लिए भजन जरूरी है। आत्मा की भूख भगवान का नाम सुमिरन करने से मिटती है इसलिए प्रतिदिन भजन अवश्य करना चाहिए। ये बात शहर के देवरिया बालाजी रोड स्थित आरके आरसी माहेश्वरी भवन में सोमवार सुबह काष्ट परिवार की ओर से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आगाज होने के अवसर पर दूसरे दिन व्यास पीठ से कथा वाचन करते हुए अलवर से आए स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज ने कही। दूसरे दिन कपिल भगवान चरित्र एवं ध्रुव चरित्र प्रसंग का वाचन किया गया। उन्होंने कहा कि सेवा हमेशा परमार्थी बन कर करनी चाहिए। जिसके जीवन में परमार्थ आ गया उसका स्वार्थ स्वतः सिद्ध हो जाता है। स्वार्थभाव से कार्य करने वालों की स्थिति माया मिली न राम वाली हो जाती है। स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज ने कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करके कार्य करना चाहिए और जब तक लक्ष्य हासिल न हो जाए किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहिए भले कोई कुछ भी कहता रहे। प्रबल वहीं होता है जो निर्बल को सहयोग करे। दान करने से कलयुग में जीव को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि हम जैसा अन्न खाते वैसा हमारा मन होता और जैसा पानी पीते वैसी हमारी वाणी हो जाती है। हमेशा अपनी संस्कृति के अनुरूप हमारा जीवन आचरण होना चाहिए। घुंघट जो कभी भारतीय संस्कृति की पहचान थी वह आज सात संमुदर पार चला गया और संस्कृति में गिरावट आने से फटे हुए कपड़े ब्राण्डेड माने जाने लगे हैं।

# महाकवि रइधू की साधना स्थली में अध्यात्म की गंगा प्रवाहित

शाबाश इंडिया

ग्वालियर मध्य प्रदेश की पुण्य धरा पर पंडित टोडरमल स्मारक द्वारा आयोजित वीतराग विज्ञान शिक्षण प्रशिक्षण शिविर का 55 वां सोपान जिस उत्साह व कर्मठता से संपन्न हुआ उसकी मिसाल दुर्लभ है। आदरणीय छोटे दादा डा.भारिल्ल जी की अनुपस्थिति में होने वाला यह पहला विशाल कार्यक्रम था जिस पर देशभर की जैन समाज की निगाहें टिकी थीं। जो हमारे अपने थे वे तो सशंकित थे ही जिनकी गिद्ध दृष्टि हमेशा मुमुक्षुओं की गतिविधियों पर नुक्ता चीनी के लिए लगी रहती थी वे भी देखना चाहते थे कि डॉक्टर भारिल्ल के बाद अब क्या और कैसे होगा? मैंने सर्वप्रथम 1970 का विदिशा का प्रशिक्षण शिविर देखा था । उसके बाद मैं भी प्रशिक्षण शिविर का विद्यार्थी रहा और इन शिवरों में ही बालबोध व वीतराग विज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त कर जैन धर्म का दृढ़ श्रद्धानी बना। फिर तो अपनी मातृभूमि चंदेरी को छोड़कर सदा के लिए यहां का हो गया । मैंने अनेक कार्यक्रमों को निकटता से देखा है और ग्वालियर भी तीन दिन रहकर जो अनुभव किया; मैं गर्व से कह सकता हूं कि आदरणीय भारिल्लजी ने जो सीख अपने विद्यार्थियों को दी वह अनुकरणीय व प्रशंसानीय है ।सभी पूर्व विद्यार्थियों का समर्पण भाव व टोडरमल स्मारक की युवा टीम जिस एक जुटता से शिविर की गौरव गरिमा बढ़ा रही थी वह अभिनंदन है। इस शिविर के मध्य अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत्परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन रखा गया था। इस अधिवेशन को संपन्न कराने के लिए ही मेरा ग्वालियर आना हुआ।जिस विद्वत्परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को डॉ भारिल्ल सुशोभित कर रहे थे ; उनके महाप्रयाण के पश्चात उसकी गौरव गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखना व उसे नित नयी ऊंचाई तक ले जाना महामंत्री के नाते मेरा उत्तरदायित्व है । अतः प्राणपण से जुट कर इसे संगठित और व्यवस्थित करने में ही अपनी शक्ति लगा रखी है। ग्वालियर में शिविर के मध्य जी आशातीत सफलता के साथ अधिवेशन तो संपन्न हुआ ही सभी विद्यार्थियों में संगठन से जुड़कर कुछ नया करने का भाव उनके चेहरों पर स्पष्ट परिलक्षित हो रहा था। अधिवेशन के पश्चात शिविर के मध्य ही मध्यप्रदेश प्रदेश एवं राजस्थान की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण भी संपन्न हो गया। शिविर की आवास व भोजन व्यवस्था अति उत्तम थी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। भारिल्ल जी के दोनों सुपुत्र जी जान से शिविर की व्यवस्थाओं में लगे हुए थे। सभी का सहयोग और अति उत्साह ने शिविर की गौरव गरिमा में चांद चार चांद लगा दिए। लगा ही नहीं कि कहीं कोई अभाव भासित हुआ हो। दादा की सीख जो चल रहा है वह इसी प्रकार चलता रहे इसी में हमारी सफलता है। निश्चित ही शिविर का संयोजन जिस ढंग से हुआ वह अनुकरणीय है। स्थानीय कार्यकर्ताओं का समर्पण देखते ही बनता था जिन्होंने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया वह इनका हो गया इसमें संदेह नहीं। कार्यक्रम के मध्य गोपाचल पर्वत के दर्शनार्थ भाई डा.अरविंद जी के साथ जाना हुआ। वहां क्षेत्र के महामंत्री श्री अजित बरैया जी से मुलाकात हो गई। वे हमारे बहुत पुराने मित्र थे। जब भी ग्वालियर जाना हुआ गोपाचल अवश्य गया और वहां अक्सर उनसे मिलना होता ही था। क्षेत्र के प्रति उनका पूर्ण समर्पण व निष्ठा से क्षेत्र ने आशातीत प्रगति की है। जो काया कल्प विगत कुछ वर्षों में हुआ है उसकी कल्पना ही नहीं की जा सकती है। पूरा पर्वत हरियाली से ढक गया है। असामाजिक तत्वों का विचरण ना के बराबर है। आकर्षक मुख्यद्वार व अन्य तीन द्वारों का निर्माण व सडक बन चुकी है। परकोटे की दीवार बन जाने से क्षेत्र सुरक्षित हो गया है। तलहटी में भव्य जिनालय का निर्माण,फूलों से आच्छादित क्षेत्र मन मोह लेता है। इसके लिए भाई अजित बरैया की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। आपने क्षेत्र पर हम दोनों के स्वागत सम्मान में कोई कसर नहीं छोडी ।ऐसा लगा मानो दो बिछडे हुए भाई वर्षों बाद मिले हों।आत्मीयता के लिए बरैया जी का आभार। महाकवि रइधू की यह साधना स्थली एवं वहां विराजित भ.पार्श्वनाथ की विशाल पद्मासन प्रतिमा हर आगंतुक का मनमोह लेती है। सभी को एक बार इस क्षेत्र का दर्शन अवश्य करना चाहिए।

-डा.अखिल बंसल

# ब्राह्मण नवयुवक समिति रावतसर का गठन

**रावतसर. शाबाश इंडिया।** ब्राह्मण नवयुवक समिति की भगवान परशुराम भवन रावतसर में आयोजित हुई जिसमे पूर्व कार्यकारणी सदस्यो ने पिछले वित्त वर्ष का लेखा जोखा बैठक में उपस्थित सदस्यों के सामने रखा ।ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेंद्र पुरोहित ने नए अध्यक्ष का नाम सर्व सम्मति से चुनने की बात कही और खुद को आगे कार्य करने की असमर्थता जताई और युवाओं को आगे लाने हेतु कहा जिसका सभी ने समर्थन किया ।उसके बाद सभी सदस्यों ने आपसी चर्चा विचार कर भजन लाल पंचारिया को ब्राह्मण नवयुवक समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया व उपाध्यक्ष पद हेतु श्याम पारीक का नाम सर्व सम्मति से चुना,सभी सदस्यों ने नव नियुक्तो को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर बधाई दी और समाज में यूवाओ की भागीदारी बढ़ाने व सबको साथ लेकर चलने की बात कही। बैठक में राजेंद्र दायमा,पवन जोशी,राजेंद्र जोशी,राकेश शास्त्री, कन्हैया शर्मा,अरुण शर्मा,कृष्ण उपाध्याय,सावन शास्त्री, श्रवण शर्मा, सूर्यकांत सांखी, दलीप पंचारिया,दीनदयाल धानसीया,पवन जाजड़ा,तेजपाल शर्मा, ललित शर्मा, अजय सारस्वत, भारत जाजड़ा,जतिन शर्मा, अभिषेक गौड, रोहित खंडेलवाल, रमेश बछ,दिनेश पारीक,पंकज सेवग, पुरुषोत्म शर्मा, संजय शर्मा, संदीप पारीक आदि अनेक ब्राह्मण समाज के सद्स्य उपस्थित रहे।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# रंगकर्म के साथ सीख रहे प्रकृति प्रेम और सलीके से जीवन जीने की कला

## संगम कलांगन में मूकाभिनय कार्यशाला जारी

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

जून महीने की सुबह आठ बजने से पहले ही इन दिनों हवाला स्थित शिल्पग्राम का संगम कलांगन नन्हें मुन्नों संग बड़ों की चिल्लपों से गुंजायमान नजर आता है। बता दें ये सभी यहां पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से आयोजित मूकाभिनय कार्यशाला के लिए एकत्र हुए हैं। ....लेकिन थोड़ा समय बीतते ही यहां जमा बीसियों प्रतिभागी अपने गुरु वरिष्ठ रंगकर्मी विलास जानवे से मूकाभिनय यानी माईम की बारीकियां सीखने/समझने में रम जाते हैं। कार्यशाला में मूकाभिनय कला सीखने के लिए उम्र बंधन नहीं होने के कारण आठ - दस बरस से लेकर पैंसठ की उम्र के प्रशिक्षु देखने को मिल जाएंगे तो इन सबके बीच बहुत छोटी सी उम्र वाली प्रतिभागी ओली भी चहकती फुदकती देखी जा सकती है। ठीक उसी की मानिंद बाकी सभी छोटे बड़े दो घंटे की कार्यशाला के दौरान ओली की तरह ही बच्चे बनकर मस्ती से लेकिन अनुशासित ढंग से सीखते रहते हैं। कार्यशाला में कुछ देर ब्रेक के बीच केन्द्र की ओर से सभी प्रतिभागियों को जो पौष्टिक अल्पाहार मिलता है उस समय भी मौज मस्ती बदस्तूर छाई रहती है। दरअसल, विषय विशेषज्ञ विलास जानवे करीब पचास साल से रंगकर्म को जी रहे हैं तो उन्हें इसका मनोविज्ञान भी अच्छे से ज्ञात है, तभी तो पूरा जीवन ही इसे समर्पित कर राष्ट्रीय पुरस्कार की ऊंचाईयों को छूता यह कलाकार हर मंच पर जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता दृष्टिगत होता है। बहरहाल, उनके साथ इनकी अर्धांगिनी (कुशल रंगकर्मी भी) किरण जानवे के अलावा प्रतिभाशाली युवा कलाकार मनीष शर्मा और सुनील टांक सहयोगी भूमिका निभाते नजर आते हैं। केंद्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि दो सप्ताह जारी रहने वाली इस कार्यशाला के दौरान प्रतिभागी न सिर्फ रंगकर्म की बारीकियां सीख रहे हैं वरन उन्हें प्रकृति प्रेम और सलीके से जीवन जीने की कला भी सिखाई जा रही है। समापन अवसर पर कार्यशाला में तैयार तीन चार प्रेरक लघुनाटिकाओं का मंचन दर्पण सभागार में किया जाएगा।

**रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

# पुलिस अकादमी मे खेला गया नाटक चौथमल मास्साब

## पुलिस प्रशिक्षणार्थी को सिखाया नैतिकता का पाठ

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

इंसान को जीने के लिए सिर्फ रोटी कपड़ा और मकान की ही जरूरत नहीं होती और भी वगैरह वगैरह की जरूरत होती है यह वगैरह आदिम भूख का ही दूसरा नाम है, जिसे ठरक भी कहते हैं जो होती तो हर किसी में है पर उसे उजागर कोई नहीं करता। रंगशिल्प द्वारा आज राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में स्थित ऑडिटोरियम में पंकज सुबीर कहानी पर आधारित नाटक चौथ परमार साहब का मंचन किया गया कहानी का नाट्य रूपांतरण नीरज गोस्वामी ने किया और नाटक का निर्देशन युवा रंगकर्मी एवं निर्देशक श्री अनिल मारवाड़ी ने किया। प्रदेश के शिक्षा अधिकारी द्वारा किये गए गाँव के एक स्कूल के औचक निरिक्षण के दौरान जब हैडमास्टर और मास्टर सहित बच्चे भी स्कूल से गायब दिखे तो इसे गंभीर अपराध मानते हुए उन्होंने हैडमास्टर चौथमल मास्साब का ट्रांसफर सौ किलोमीटर दूर दूसरे गाँव में कर दिया। मास्साब को दूसरे गाँव में रहने खाने की चिंता नहीं थी उन्हें परेशानी थी कि वहाँ 'वगैरह' का प्रबंध कैसे होगा ? 'वगैरह' का अर्थ अपनी पत्नी को मास्साब यूँ समझाते हैं कि 'काम क्रोध लोभ मोह में से जब क्रोध लोभ और मोह को घटाते हैं तो जो बचता है वो 'वगैरह' होता है' इंसान की इसी आदिम भूख 'वगैरह' को केंद्र में रख लिखी पंकज सुबीर की असाधारण कहानी का नाट्य रूपांतरण नीरज गोस्वामी ने बहुत कुशलता से नाटक 'चौथमल मास्साब' में किया जिसे राजस्थान पुलिस अकादमी के खचाखच भरे भव्य सभागार में लोकनाट्य शैली में प्रस्तुत कर दर्शकों की तालियाँ बटोरीं। 'चौथमल मास्साब' के चुनौती पूर्ण पात्र को वरिष्ठ रंगकर्मी ईश्वर दत्त माथुर ने अपनी अभिनय और गायन क्षमता से जीवित कर दिया। मंच पर अभिनय में उनका साथ सरस्वती उपाध्याय, देवयानी सारस्वत, रेनू सनाढ्य, मोईनुद्दीन, मनोज स्वामी,मनोज अडवाणी,राजेंद्र राजू ,सागर गढ़वाल मनीष योगी, बाल कलाकार कवितेश और नीरज गोस्वामी ने बखूबी निभाया। भानु प्रताप ने अपने गायन से और वीरेंद्र सिंह नगीना ने ढोलक वादन से समां बाँध दिया। नाटक का संगीत पंडित अलोक भट्ट, नृत्य निर्देशन जीतेन्द्र शर्मा, मंच परिकल्पना अलोक पारीक मेकअप राधे लाल बांका तथा प्रकाश व्यवस्था राजेंद्र शर्मा राजू ने संभाली। प्रस्तुति प्रबंधक थे गुरमिंदर सिंह पूरी 'रोमी' तथा धृति शर्मा।

# पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप में होने जा रहा है एक यादगार सेशन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

ए.आर.एल.प्रजेंट्स पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप आर.के.मार्बल ग्रुप के सहयोग से अरिहन्त नाट्य संस्था जयपुर द्वारा आयोजित की जा रही है जिसमे समाज के दो सौ पचास बच्चे अपने सर्वांगीण विकास के साथ साथ टीम वर्क,ऑब्जर्वेशन, कहानी लेखन, सामांजस्य, सामाजिक संस्कार, डिक्शन,आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्रॉइंग एन्ड पैंटिंग, मास्क मैकिंग, अभिनय, डांस, स्पोंटेनियस, डिक्शन, इम्प्रोवाइजेशन, लीडरशिप, लिसनिंग, कम्युनिकेशन जैसे लगभग 23 सब्जेक्ट्स बहुत ही बेहतर तरीके से और जोश उमंग उत्साह से सीख रहे हैं। इसी कड़ी में कार्यशाला निर्देशक अजय जैन मोहनबाड़ी ने बताया कि दिनांक 17 व 18 जून को हम एक पेरेंट्स चाइल्ड सेशन रखने जा रहे हैं। ये सेशन अपने आप मे एक अनोखा सेशन होगा जिसमें पेरेंट्स बच्चों की तरह सोचेंगे और बच्चे पेरेंट्स की तरह। पेरेंट्स और बच्चों को एक दूसरे की प्रॉब्लम्स और एक दूसरे की अपेक्षाएं समझ आएंगी। पेरेंट्स और बच्चे एक दूसरे के नजदीक आएंगे। उनमें जो कम्युनिकेशन गैप है वो खत्म होगा और वे एक दूसरे से भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे। पेरेंट्स और बच्चों के लिए ये सेशन एक यादगार अनुभव होगा साथ ही लेखक निर्देशक तपन भट्ट ने ये भी बताया कि कार्यशाला में आगामी 25 जून को बच्चों का सामूहिक मोटिवेशनल सेशन लेने आ रहे है मुंबई से ऑस्कर विनिंग फिल्म टर्टल, लाल सिंह चड्ढा,गंगूबाई काठियावाड़ी,चलो दिल्ली,कैण्डी, शी,क्रेश कोर्स,सिर्फ एक फ्राइडे,विज्ञापन फिल्म बीकाजी भुजिया,एशियन पैन्ट्स फेम बॉलीवुड एक्टर टीटू वर्मा और वरिष्ठ रंगकर्मी विशाल भट्ट जिसमे कार्यशाला में शामिल सभी बच्चों को मौका मिलेगा उनसे सवाल जवाब करने का व जयपुर से मुंबई तक के उनके सफर को जानने और समझने का। साथ ही सभी बच्चों को विशाल भट्ट द्वारा दी जाएगी थियेटर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां जो कि आज के बदलते समय मे बच्चों की लाइफ में बहुत उपयोगी साबित होगी। ये कार्यक्रम 25 जून की शाम 7 बजे से श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी, दुर्गापुरा टोंक रोड़ में आयोजित किया जाएगा।

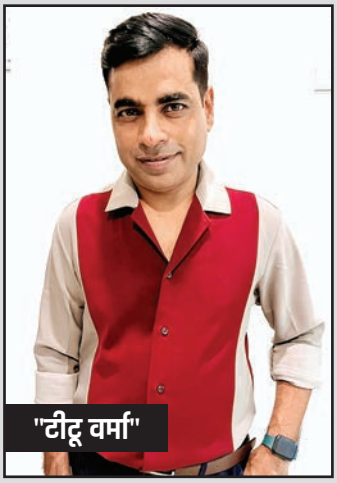


# नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर 17 से 20 जून तक

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

स्व.मुरारी लाल अग्रवाल की स्मृति में सेवाधर्म मिशन, जयपुर के तत्वावधान में व जिला अन्धता निवारण समिति जयपुर के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर व लेन्स प्रत्यारोपण शिविर 17 से 20 जून तक अचलेष्वर महादेव मंदिर, राम नगर शॉपिंग सेंटर के पास राम कृष्ण धाम में आयोजित किया जाएगा। तैयारियां जोरों पर चल रही है। यह जानकारी देते हुए शिविर के संयोजक ताराचन्द जैन ने बताया कि 17 जून को इस शिविर का प्रारंभ प्रातः 10 बजे किया जाएगा। शिविर में मोतियाबिन्द, कालापानी, काला मोतिया, परवल नाखूना के उपचार किए जाएंगे। प्रेस सचिव ओमप्रकाश तरदिया ने बताया कि षिविर में आवास व्यवस्था जनउपयोगी भवन ट्रस्ट, शास्त्री नगर, जयपुर व आउटडोर की की दवाईया आनन्द मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम जयपुर के सौजन्य से नि:शुल्क रहेगी । शिविर में 17 जून को प्रातः 9.30 बजे से 1 बजे तक आंखों की जांच व भर्ती का आउटडोर होगा, 18 जून को आंखों का ऑपरेशन अनुभवी नेत्र विशेषज्ञ डॉ. एम. एम. बंसल, डॉ. अर्पणा शर्मा, डॉ. रितू अग्रवाल व उनकी टीम करेंगी। आउटडोर की दवाईयां आनन्द मार्ग, यूनिवर्सल रिलीफ टीम की ओर से होगी।